Commission for Sch. Castes and Scheduled Tribes		Date of expiry of the tenure post
5. Shri Thakur Sen Negi, MLA and Speaker of the Himachal Pradesh, Vidhan Sabha	Member	31st July, 1981
Minorities Commission		
1. Shri Justice M.R.A. Ansari	Chairman	27th July, 1981
2. Dr. (Miss) A.J. Dastur	Member	Resignation accepted wef 21st April, 1980 (AN)
3. Shri Kushak G. Bakula	Member	27th July, 1981
4. Prof V.V. John	Member	Resignation accepted wef 21st April 1980 (AN)
5. Air Chief Marshal (Retd) Arjan Singh	Member	27th July, 1981

राजस्थान परमाणु बिजली परियोजना द्वारा बिजली का उत्पादन

3531. **श्री बुद्धि चन्द जैन** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान परमाणु बिजली परियोजना, कोटा के यूनिट-1 ने राज्य को बिजली की सप्लाई कब आरम्भ की और इस यूनिट में वर्षवार कितनी बिजली उत्पादन हुआ;

(ख) उक्त परमाणु बिजली केन्द्र विभिन्न वर्षों में किस अवधि में बन्द रहा, और उस के बंद होने के क्या कारण है;

(ग) क्या सरकार का विचार उस की यांत्रिक त्रुटियों को दूर कर के एक स्थायी हल निकालने के लिए कोई ठोस कार्यवाही करने का है और यदि हां, तो कब तक तथा यह कैसे किया जायेगा ?

प्रधान मंत्री (श्रीमती इंदिरा गांधी) (क) राजस्थान परमाणु बिजली घर का पहला यूनिट 16-12-1973 से व्यावसायिक स्तर पर बिजली पैदा करता रहा है। हर वर्ष हुए बिजली के उत्पादन की मात्रा नीचे दी जा रही है :

कैलेण्डर वर्ष	सकल उत्पादन (दस लाख यूनिट)	शुद्ध उत्पादन (दस लाख यूनिट)
1974	727.8548	667.6910
1975	653.7960	599.5700
1976	900.5230	801.9293
1977	529.9550	476.8247
1978	176.5990	153.2590
1979	1251.5460	1147.4564

(ख) टर्बाइन के ब्लेडों में खराबी आ जाने के कारण सन् 1974 और सन् 1975 में बिजलीघर को वार्षिक अनुरक्षण के लिए क्रमशः 103 दिन (4 जुलाई, 1974 से 14 अक्तूबर, 1974 तक) और 158 दिन (22 जुलाई, 1975 से 26 दिसम्बर, 1975 तक) बंद रखा गया। बिजलीघर को वार्षिक अनुरक्षण के लिए जब 3 जुलाई, 1977 को बंद किया गया तब से बंद रखे जाने की अवधि को क्रमिक अशांति तथा हड़ताल के कारण 20 सितम्बर, 1978 तक बढ़ाना पड़ा। उस के बाद बिजलीघर लगातार काम करता रहा है, सिवाय इस के कि माडरेटर हीट एक्सचेंजर की कुछ ट्यूबों के मामूली सा लीक कर जाने के कारण सन् 1980 की प्रथम तिमाही में एक बार 20 दिन (27 जनवरी 1980 से 15 फरवरी, 1980 तक) और, दूसरी बार 27 दिन (22 फरवरी, 1980 से 20 मार्च, 1980 तक) के लिए बन्द रखना पड़ा। इस के अलावा, और छोटी छोटी अवधियों के लिये भी इस यूनिट को संयंत्र तथा ग्रिड से संबंधित विभिन्न कारणों से बन्द रखा गया।

(ग) बिजलीघर के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन निरन्तर किया जाता है और पहले हुई खराबियों को दोबारा ना होने देने के उद्देश्य से डिजाइन में सुधार करने, प्रचालन एवं अनुरक्षण के तरीकों में परिवर्तन करने और बिजलीघर के चालू रहने की स्थिति में ही उस का निरीक्षण करने जैसे उपाय किए जा रहे हैं। कभी कभी ग्रिड की वोल्टेज और आवृत्ति के उतार-चढ़ाव का दुष्प्रभाव यूनिट के कार्य-निष्पादन पर पड़ता है और इस के कारण यूनिट बन्द भी हो जाता है। इन समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने के लिये, विद्युत बोर्डों और केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण से निरन्तर विचारविमर्श किया जाता रहा है। यह समस्याएं इस किस्म की है कि इन के बारे में यह बताना संभव नहीं होगा कि इन के समाधान में कितना समय लगेगा।

Raw Materials to Small Scale Industries

3532. SHRIMATI GEETA MUKHERJEE: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the small scale industrial units are often at difficulty in securing raw materials at the rates at which these are secured by big or medium industrial units;

(b) if so, whether there is any Government policy to give them raw materials from Government agencies and direct from producers on a top priority basis at controlled rates and reserving a quota for the small scale industrial sector; and

(c) if so, the details of the implementation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): (a) Prices of the basic raw-material supplied through the controlled or regulated sources are the same for the actual users; large, medium and small. However, in such materials where there is no distribution control, the small industries often face difficulties in securing the material in a scarcity condition at the same price at which it is procured by the large/bulk consumers.

(b) Yes, Sir. The policy of the Government is to give priority treatment to small scale sector in respect of supply of basic raw material through the Government agencies both at the Centre and at the State level including primary producers.

(c) Important raw-materials like Iron and Steel and Non-Ferrous metal like Copper, Zinc, Tin, Aluminium; Nickel, Lead; Chemicals like Paraffine Wax, Soda Ash, Caustic Soda Mutton Tallow etc. have already been brought under distribution and price control. These materials are mostly distributed through Government agencies like STC, MMTC, SAIL, CPC etc.

The State Small Industries Corporations have presently been entrusted with the task of distributing of Iron and Steel material to the small scale units in the States. These State Agencies are being pursued to gradually take over the responsibility of distribution of all the raw-material for the small scale sector in the States.

More investment in Luxury Goods Sector

3533. SHRI CHITTA BASU: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether attention of Government has been drawn to the fact that